

Chilli & Turmeric



विषय: आंध्र प्रदेश पर विशेष ध्यान देते हुए मिर्च व हल्दी के लिए ऑनलाइन क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम)

स्पाइसेस बोर्ड भारत की ओर से अभिवादन !

स्पाइसेस बोर्ड (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार), भारतीय मसालों के विकास और दुनिया-भर में बढ़ावा देनेवाला अग्रणी संगठन है, जो मसाला उद्योग के विभिन्न स्तरों पर संबंध को सुदृढ़ करते हुए मसाला व्यापार के संवर्धन एवं सुगमता हेतु कार्यकलापों की अगुवाई करता है।

भारत का मसाला निर्यात, वैश्विक महामारी की स्थिति के बावजूद भी, पिछले वर्ष की तुलना में, मात्रा में, आठ प्रतिशत, रुपए के हिसाब से दस प्रतिशत तथा डॉलर के हिसाब से आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के अलावा, वर्ष 2019-20 के दौरान, 21515.40 करोड़ रुपए मूल्यवाले, 11,83,000 मीटरी टन की मात्रा के साथ, मूल्य वसूली में तीन अरब यूएस डॉलर का लैंडमार्क स्तर तक बढ़ा ।

आंध्र प्रदेश, मिर्च तथा हल्दी का प्रमुख उत्पादन एवं निर्यात हब होने के कारण भारत के मसाला उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वर्ष 2019-20 के दौरान, राज्य ने, क्रमशः 1,53,000 हेक्टेयर एवं 17,700 हेक्टेयर क्षेत्र से 7,00,000 मीटरी टन की मिर्च और 80,000 मीटरी टन की हल्दी का उत्पादन किया है।

भारत, मिर्च व हल्दी का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है, जिसके निर्यात ने पिछले कुछ वर्षों से सतत प्रगति दर्ज की है । वर्ष 2019-20 के दौरान, भारत ने, 6211.70 करोड़ रुपए मूल्य के 4,84,000 टन की मिर्च व मिर्च उत्पादों का निर्यात किया जिसने भारत के कुल मसाला निर्यात का, मात्रा के हिसाब से 40 प्रतिशत तथा मूल्य के हिसाब से 29 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। हल्दी ने 1216.40 करोड़ रुपए के मूल्यवाले 1,36,000 टन का निर्यात करते हुए निर्यात बास्केट में, मात्रा के हिसाब से 11 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से छह प्रतिशत का अपना हिस्सा रखा ।

महामारी की स्थिति के दौरान, भारत से, प्रतिरक्षा बढ़ानेवाले गुणों से युक्त मसाला, हल्दी के निर्यात ने वर्ष 2020-21 के पूर्वार्द्ध के दौरान मात्रा के हिसाब से 42 प्रतिशत की प्रभावोत्पादक वृद्धि दर्ज की है।

मसालों व मसाला उत्पादों का निर्यात और बढ़ावा देने के लिए स्पाइसेस बोर्ड, क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन करता आ रहा है, ताकि मसाला उद्योग के खरीददारों और विक्रेताओं को सीधे बातचीत करने और कारगर कारोबारी संपर्क स्थापित करने हेतु एक आम मंच मुहैया किया जा सके। तदनुसार, बोर्ड 29 जनवरी, 2021 को दोपहर बाद 3.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आंध्र प्रदेश पर ज़ोर देते हुए मिर्च और हल्दी के लिए ऑनलाइन क्रेता-विक्रेता बैठक(बीएसएम) आयोजित कर रहा है।

आन्ध्रप्रदेश से एफपीओ, प्रगतिशील कृषक, कृषक समुदाय, प्रसंस्करणकर्त्ता एवं व्यापारियों के प्रतिनिधित्व करनेवाले लगभग 150 विक्रेता/उत्पादक तथा भारत भर के निर्यातक इस बीएसएम में भाग लेंगे।

सभी निर्यातकों को बीएसएम में हार्दिक रूप से आमंत्रित किया जाता है ताकि मिर्च व हल्दी के आपूर्तिकर्त्ताओं/कृषकों के साथ कारगर कारोबारी संपर्क स्थापित करने की संभावनाओं की तलाश की जा सके। इच्छुक निर्यातक/क्रेता **27 जनवरी, 2021 को या उससे पहले** निम्नलिखित विवरण **इ-मेल sbroddm@gmail.com** के ज़रिए उपलब्ध कराते हुए बीएसएम के लिए रजिस्टर कर सकते हैं।

नाम, कंपनी का नाम एवं पता	मोबाइल नं. व इ-मेल

पंजीकरण के उपरांत, कार्यक्रम का लिंक इच्छुक खरीददारों के साथ साझा किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ. एट्टा मोहन राव, उप निदेशक, स्पाइसेस बोर्ड, प्रादेशिक कार्यालय, गुंटूर : 09440538326
सादर,

पी.एम. सुरेश कुमार
निदेशक(विपणन)
स्पाइसेस बोर्ड, कोच्ची



Chilli & Turmeric



Sir/ Madam,

Greetings from Spices Board India.

Spices Board (Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India), the flagship organization for the development and worldwide promotion of Indian spices has been spearheading activities for promotion and facilitation of spice trade by strengthening linkages at various levels of the spice industry.

India's spice exports, with a volume of 11,83,000 MT valued at Rs.21515.40 crore during 2019-20, scaled the landmark level of 3 billion US\$ in value realization, besides recording a growth rate of 8% in volume, 10% in rupee terms and 8% in dollar terms of value over the previous year, despite the global pandemic situation.

Andhra Pradesh, holds a significant position in the spice production of India by being a major production and export hub of Chilli & Turmeric. During 2019-20, the State produced 7,00,000 MT of Chilli and 80,000 MT of Turmeric from an area of 1,53,000 Ha and 17,700 Ha respectively.

India is the world's largest exporter of Chilli & Turmeric, the exports of which have recorded a steady progress, over the years. During 2019-20, India exported 4,84,000 tons of Chilli & Chilli products valued Rs.6211.70 crores which contributed to more than 40% in volume and 29% in value of India's total spice exports. Turmeric held a share of 11% in volume and 6% in value of the export basket, with an export of 1,36,000 tons valued Rs.1216.40 crore.

During the pandemic situation the export of turmeric from India, a spice with immunity boosting properties, has recorded an impressive growth of 42% in terms of volume during the first half of 2020-21.

Spices Board with a view to further promote the export of spices and spice products, has been organizing Buyer Seller Meets (BSM), so as to provide a common platform for the Buyers and Sellers of the spice industry, to interact directly and establish effective business linkages. Accordingly, the Board is organizing an **online Buyer Seller Meet (BSM) for Chilli and Turmeric with focus on Andhra Pradesh on 29th January, 2021 from 3.00 pm to 5.00 pm.**

Around 150 sellers/producers representing FPOs, progressive farmers, farmer's societies, processors and traders from Andhra Pradesh and exporters from across India will be attending the BSM.

All exporters / buyers of spices are invited to participate in the BSM and explore the possibilities to establish effective business linkages with suppliers/growers of Chilli and Turmeric. Interested firms may register for the BSM by providing the following details via email to sbroddm@gmail.com on or before **27th January 2021.**

Name, Company Name & address	Mobile No. & email ID

The program link will be shared with interested buyers, upon registration.

For enquiries , please contact :

Dr Etta Mohan Rao , Deputy Director, Spices Board Regional Office, Guntur
:09440538326

Regards

P.M.Suresh Kumar
Director (Marketing)
Spices Board,Kochi

